Worksheet - 16 Subject: - Hindi कक्षा - आठ Teacher: - Mrs. Meera

Name: _____ Class & Sec: _____ Roll No. _____ Date: 26.05.2020

वर्ण-विच्छेद कीजिए—

पर्यावरण — "प्"+"अ"+"र्"+"य्"+"आ"+"व्"+"अ"+"र्"+"अ"+"न्"+"अ"

प्रतिध्वनि — "प्"+"र्"+"अ"+"त्"+"इ"+"ध्"+"व्"+"अ"+"न्"+"इ"

दर्शनीय — "द्"+"अ"+"र्"+"श्"+"अ"+"न्"+"ई"+"य्"+"अ"

व्याख्यान — "व्"+"य्"+"आ"+"ख्"+"य्"+"आ"+"न्"+"अ"

सेवाग्राम — "स्"+"ए"+"व्"+"आ"+"ग्"+"र्"+"आ"+"म्"+"अ"

कलाभिज्ञ — "क्"+"अ"+"ल्"+"आ"+"भ्"+"इ"+"ज्"+"ञ्"+"अ"

तटस्थता — "त्"+"अ"+"ट्"+"अ"+"स्"+"थ्"+"अ"+"त्"+"आ"

साप्ताहिक — "स्"+"आ"+"प्"+"त्"+"आ"+"ह्"+"इ"+"क्"+"अ"

मार्मिक — "म्"+"आ"+"र्"+"म्"+"इ"+"क्"+"अ"

विद्यार्थी — "व्"+"इ"+"द्"+"य्"+"आ"+"र्"+"थ्"+"ई"

आह्वान — "आ"+"ह्"+"व्"+"आ"+"न्"+"अ"

श्रीमान — "श्"+"र्"+"ई"+"म्"+"आ"+"न्"+"अ"

6. उचित स्थान पर अनुस्वार-अनुनासिक लगाकर वर्तनी शुद्ध कीजिए— ***(Applying, Understanding)***

दिनाक	— "दिनांक"	जतुओ	— "जंतुओं"	गाधी	— "गांधी"
आदोलन	— "आंदोलन"	आगन	— "आँगन"	करेगे	— "करेंगे"
तागा	— "ताँगा"	अतिम	— "अंतिम"	उगली	— "उँगली"
चिड़िया	— "चिड़ियाँ"	सबध	— "संबंध"	बूद	— "बूँद"
मडल	— "मंडल"	प्रारभ	— "प्रारंभ"	चादनी	— "चाँदनी"
पगु	— "पंगु"	मुद्राए	— "मुद्राएँ"	मगवाई	— "मँगवाई"
जाएगे	— "जाएँगे"	सकल्प	— "संकल्प"	स्वतत्र	— "स्वतंत्र"
अधेरा	— "अँधेरा"	सस्कार	— "संस्कार"	साप	— "साँप"

3. दूरदर्शन — लाभ तथा हानि

संकेत बिंदु— दूरदर्शन— विज्ञान की अनुपम देन..., दूरदर्शन से लाभ..., दूरदर्शन से हानियाँ...

आज का युग विज्ञान का युग है। वैज्ञानिकों ने विज्ञान में नए-नए आविष्कार करके हमें अनेक वस्तुएँ प्रदान की हैं, उन्हीं में से एक अनुपम वस्तु दूरदर्शन है। इसके द्वारा हम न केवल अपना मनोरंजन कर सकते हैं अपितु महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त करके अपने ज्ञान में वृद्धि भी कर सकते हैं। इसपर दिखाए जाने वाले नाटक, फ़िल्म, खेलकूद, समाचार आदि से हमें अनेक प्रकार की जानकारियाँ प्राप्त होती हैं। यह शिक्षा का सशक्त माध्यम भी है क्योंकि इस पर प्रसारित होनेवाले कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी वर्ग तथा कृषक वर्ग को अपने विषय की नवीनतम जानकारी मिलती है। दूरदर्शन देश तथा विदेश की ज्वलंत समस्याओं एवं विश्व के घटनाक्रम पर चर्चा-परिचर्चा तथा खेलों आदि का सीधा प्रसारण भी करता है। इसके अतिरिक्त ज्योग्राफ़िकल तथा डिस्कवरी चैनल पूरे विश्व की आधुनिकतम जानकारियों को प्रसारित करके हमारे ज्ञान में वृद्धि करते हैं। दूरदर्शन जहाँ इतना उपयोगी है, वहीं इससे कुछ हानियाँ भी हैं। इसे अधिक देखने या ठीक तरह से न देखने के कारण आँखों पर दुष्प्रभाव पड़ता है। इसपर प्रसारित होनेवाले कार्टून-धारावाहिकों के कारण बच्चे अपना अधिकतर समय इसे देखने में ही बिताते रहते हैं तथा खुली हवा में बाहर खेलने नहीं जाते, जिस कारण उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इसके अतिरिक्त दूरदर्शन पर दिखाए जानेवाले कुदृश्यों से समाज में अराजकता फैलती है। आज के वैज्ञानिक युग में वस्तुतः आवश्यकता इस बात की है कि हम दूरदर्शन देखें तो ज़रूर परंतु सीमित मात्रा में तथा सही ढंग से।